सफल व्यक्ति वह है जो खुद पर फेंकी गई ईंटों से मजबूत नींव बना ले।

तेवर वही, अंदाज नया .....!
साप्ताहिक

उज्जैन टाइम्स

डाक रजिस्ट्रेशन नं. मालवा डिवीजन-
L2/65/RNP/397/2024-2026

प्रधान सम्पादक : मनमोहन शर्मा

RNI No. 7583/61

● वर्ष : 63, अंक : 34 ● उज्जैन, मंगलवार दिनांक 21-05-2024 से 27-05-2024 तक ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 2 रुपये

मोदी ने बताया कौन है उनका राजनीतिक वारिस

महाराजगंज। पीएम नरेंद्र मोदी ने अपने उत्तराधिकारी को लेकर छिड़ी बहस के बीच बड़ी टिप्पणी की है। प्रधानमंत्री ने बिहार के महाराजगंज में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि मेरा कोई उत्तराधिकारी नहीं है। देश के लोग ही मेरे उत्तराधिकारी हैं। दरअसल बीते कई दिनों से दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल लगातार यह कह रहे थे कि यदि भाजपा की फिर से सरकार बनी तो पीएम नरेंद्र मोदी बीच में ही छोड़ सकते हैं और अमित शाह को कमान सौंप सकते हैं। माना जा रहा है कि इन बातों का ही पीएम मोदी ने बिना किसी का नाम लिए इशारों में जवाब दिया है। पीएम नरेंद्र मोदी ने इस रैली में कहा कि बिहार राजेंद्र प्रसाद की धरती है, लेकिन आरजेडी और कांग्रेस ने इसकी पहचान वसूली के लिए बना दी है। प्रधानमंत्री ने इस रैली में आए लोगों से अपील की कि आप लोग गांव-गांव जाएं और लोगों से कहें कि हम मोदी जी की तरफ से आए हैं। उन्हें बताएं कि कैसे एनडीए की सरकार फिर से बनी तो उन्हें आवास मिलेंगे। ये आवास घर की महिला मुखिया के नाम पर होंगे। आने वाले 5 साल बिहार की समृद्धि लेकर आने वाले हैं। हमारी बहनें अब ड्रोन पायलट बनेंगी और वे ड्रोन से खेती करके पायलट बनें, हमने ऐसी योजना बनाई है। हमारी गारंटी है कि तीन करोड़ बहनों को लखपति दीदी बनाना है।

प्रधानमंत्री मोदी ने इस रैली में जनता से साफ कहा कि वे कैंडिडेट न देखें बल्कि पीएम का चुनाव करें। उन्होंने कहा कि आपका यह वोट सिर्फ सांसद चुनने के लिए नहीं है बल्कि प्रधानमंत्री चुनने के लिए भी है। उन्होंने इस दौरान जनता से यह भी अपील की कि आप लोग सबको कहना है कि अपने मोदी जी आए थे और उन्होंने आपसे जय श्रीराम कहा है। क्या आप लोग मेरा जयश्री राम हर घर तक पहुंचा देंगे।

4 जून करीब आते-आते बढ़ रही हैं इन लोगों की गालियां

INDIA अलायंस पर हमला बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा कि ये लोग सहन नहीं कर सकते कि देश की जनता अगले 5 साल के लिए फिर से चुनने जा रही है। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे 4 जून की तारीख नजदीक आ रही है।

इन लोगों की ओर से मुझे मिलने वाली गालियां भी बढ़ती जा रही हैं। पीएम मोदी ने कहा कि आपने बच्चों के भविष्य, विकसित बिहार और विकसित भारत के लिए यह सरकार बहुत जरूरी है।

मोहन यादव का विपक्ष पर बड़ा हमला, रावण और कंस से की विपक्षी गठबंधन के नेताओं की तुलना

बलिया। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इंडिया गठबंधन पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने इंडिया गठबंधन के नेताओं को रावण और कंस की संस्कृति का अनुयायी बताया है। यहीं नही उन्होंने इंडिया गठबंन के नेताओं पर आरोप लगाते हुए कहा कि 20-25 परिवारों ने यह प्रथा बना दी है कि मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री केवल उनके परिवारों से होंगे।

सीएम मोहन यादव ने जनता से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, बीजेपी और लोकतंत्र को गाली देने वालों को हराने का आग्रह किया। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर सनातन धर्म का अपमान करने और लोगों की आस्था से खिलवाड़ करने का आरोप लगाया है।

मुख्यमंत्री ने सपा पर कसा तंज

उत्तर प्रदेश में बलिया से बीजेपी उम्मीदवार नीरज शेखर की चुनावी सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री मोहन यादव ने विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने बिना नाम लिए समाजवादी पार्टी पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि यह परिवार (यादव परिवार) अपने परिवार के सदस्यों के अलावा किसी पर भरोसा नहीं करता। सीएम मोहन यादव ने कहा कि वे सभी का विकास करने की बात करते हैं, लेकिन केवल अपना विकास करते हैं।

वे लोग रावण और कंस की संस्कृति के

सीएम डॉ। मोहन यादव ने आगे कहा कि 20-25 परिवारों ने अपने परिवारों से मुख्यमंत्री (राज्यों के) और प्रधान मंत्री बनाने की प्रथा बना ली है। भगवान राम ने रावण को हराया और उसका घमंड तोड़ दिया। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि विपक्षी दलों ने सनातन धर्म का अपमान किया है। महाभारत से तुलना करते हुए उन्होंने कहा कि शिशुपाल भगवान कृष्ण को गाली देता था और आज विपक्षी दल मोदी, भाजपा और लोकतंत्र को गाली दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे (विपक्ष) के लोग रावण और कंस की संस्कृति के हैं। उन्होंने कहा देश में एक नई शिक्षा नीति पेश की गई है और केवल मोदी ही जवान और किसान (सैनिकों और किसानों) का सम्मान कर सकते हैं।

सम्पादकीय

सियासत में उलझ गया सच

आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद और दिल्ली महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष स्वाति मालीवाल के साथ कथित दुर्व्यवहार और मारपीट का मामला अब भी रहस्य बना हुआ है। आरोप है कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निजी सचिव बिभव कुमार ने मुख्यमंत्री निवास के भीतर स्वाति मालीवाल के साथ मारपीट की। उन्हें दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मगर अब तक पूरा मामला स्पष्ट नहीं हो पाया है। इसे राजनीतिक रंग दे दिए जाने की वजह से और उलझ गया है।

आम आदमी पार्टी इसे भाजपा की साजिश बताने लगी है। खुद अरविंद केजरीवाल ने प्रेस वार्ता करके केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि वह उनके सारे नेताओं को गिरफ्तार करना चाहती है। बिभव कुमार की गिरफ्तारी के खिलाफ उन्होंने भाजपा दफ्तर पर प्रदर्शन का भी एलान कर दिया। भाजपा भी इस मामले को भुनाने में पीछे नहीं रही। उसके नेता इस मामले पर सार्वजनिक मंचों से बोलते रहे, महिला कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। आम चुनाव का माहौल है, इसलिए भाजपा पूरी तरह इसका लाभ उठा लेना चाहती है। मगर आम आदमी पार्टी का पलटवार इस मामले के रहस्य को और गहरा कर देता है।

दरअसल, इस घटना को लेकर खुद स्वाति मालीवाल के दुविधा भरे कदमों ने अनेक प्रश्न अनुत्तरित छोड़ दिए हैं। घटना के तुरंत बाद मालीवाल ने फोन कर पुलिस को सूचना दी, प्राथमिकी दर्ज कराने थाने भी पहुंचीं, मगर प्राथमिकी दर्ज कराए बगैर लौट आईं। फिर तीन दिन तक वे चुप्पी साधे रहीं। घटना के दूसरे दिन आम आदमी पार्टी नेता संजय सिंह ने जरूर प्रेस वार्ता करके मालीवाल के साथ हुए दुर्व्यवहार को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और उस पर मुख्यमंत्री की तरफ से कड़ी कार्रवाई का भरोसा दिलाया। मगर उनकी तरफ से ऐसा कोई कदम नहीं उठाया जा सका। चार दिन बाद मालीवाल ने प्राथमिकी दर्ज कराई और उनकी चिकित्सीय जांच की गई।

जांच में उनके शरीर पर चोट के निशान चिह्नित किए गए। मगर उसके बाद मुख्यमंत्री निवास के भीतर सुरक्षा कर्मियों से मालीवाल की बातचीत और वहां से उनकेबाहर निकलने की जो तस्वीरें जारी की गईं, उनमें कहीं भी उनके साथ दुर्व्यवहार की निशानदेही नहीं होती। दिल्ली पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है, उसने कुछ तथ्य भी जुटाए हैं, उन्हीं के जरिए हकीकत सामने आ सकती है। मगर सवाल है कि आखिर मालीवाल क्यों कई दिन तक चुप्पी साधे रहीं और जो आम आदमी पार्टी महिलाओं की सुरक्षा के दावे करती नहीं थकती, वह मुख्यमंत्री निवास के भीतर हुई इस घटना पर से पर्दा उठाने से क्यों हिचकती रही।

किसी भी महिला के साथ अगर इस तरह दुर्व्यवहार किया जाता है, तो उसकी जितनी निंदा की जाए, कम है। चूंकि यह घटना एक राज्यसभा सदस्य के साथ हुई है और मुख्यमंत्री निवास के भीतर उनके निजी सचिव पर मारपीट का आरोप है, इसलिए यह और क्षोभ का विषय है। मगर जैसा कि दिल्ली सरकार और केंद्र सरकार के बीच खींचतान का वातावरण बना रहता है, इस मामले को भी राजनीतिक रस्साकशी का मुद्दा बना दिया गया है। यह किसी भी रूप में ठीक नहीं है। मालीवाल के साथ हुई घटना की हकीकत लोगों के सामने आनी ही चाहिए। अगर मुख्यमंत्री के निजी सचिव इस मामले में दोषी हैं, तो उन्हें बचाने का प्रयास क्यों होना चाहिए? अपेक्षा तो यह की जाती थी कि मुख्यमंत्री खुद इस मामले की जांच करा कर सच्चाई सामने लाएंगे।

शादी में स्मोक वाला पान खाने से 12 साल की बच्ची के पेट में छेद

शादियों में ट्रेंडी व्यंजन आजकल कोई नई बात नहीं है। एक तरह से लोगों में मान्यता है कि जिस शादी में जितने ज्यादा व्यंजन वो शादी उतनी शानदार। हालांकि कई बार ये स्वादिष्ट और आकर्षक से दिखने वाले व्यंजन हमारी जिंदगी को खतरे में डाल देते हैं। ऐसी ही एक घटना हाल ही में बेंगलुरु में घटी। शादी में 12 साल की बच्ची ने स्मोक वाला पान खाया और उससे उसके पेट में छेद हो गया। मामला इतना बढ़ गया कि लड़की का ऑपरेशन करना पड़ा और सर्जरी के दौरान डॉक्टरों को उसके पेट का बड़ा हिस्सा काटना पड़ा।

दिमाग हिला देने वाली इस घटना को लेकर शहर में चर्चा बनी हुई है। बेंगलुरु के एचएसआर लेआउट में शादी के रिसेप्शन के दौरान 12 साल की एक बच्ची ने स्मोक वाला पान खा लिया।

इस तरह के पान में लिक्विड नाइट्रोजन का प्रयोग किया जाता है। पान खाने से लड़की के पेट में दर्द शुरू हुआ। कुछ ही देर में लड़की दर्द से कराहने लगी। मामला बिगड़ता देख उसके मां-बाप उसे अस्पताल ले गए। जहां इंट्राऑपरेटिव ओजीडी स्कोपी के जरिए डॉक्टरों को पता लगा कि लिक्विड नाइट्रोजन की अधिक मात्रा से उसके पेट में छेद हो गया है।

सर्जरी में काटना बड़ा पेट का बड़ा हिस्सा

नारायण मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल के डॉक्टरों का कहना है कि लड़की की बिगड़ती हालत को देख

तुरंत सर्जरी करनी पड़ी। फिलहाल लड़की खतरे से बाहर और सर्जरी सफल रही लेकिन, ऑपरेशन में डॉक्टरों ने पाया कि लिक्विड नाइट्रोजन के कारण उसके पेट के अंदर 4×5 सेंटीमीटर का बड़ा छेद हो गया। इस कारण पेट का हिस्सा काटकर अलग करना पड़ा।

बेहद खतरनाक है लिक्विड नाइट्रोजन

डॉक्टरों के अनुसार, लिक्विड नाइट्रोजन पेट के अंदर जाने से शरीर को काफी नुकसान पहुंचाता है। उन्होंने बताया कि नाइट्रोजन की तरल मात्रा शरीर के अंदर जाकर खतरनाक परिणाम दे सकती है।

ऐसी ही एक घटना 2017 में गुरुग्राम में देखने को मिली थी, जब एक शख्स ने लिक्विड नाइट्रोजन वाले कॉकटेल को पी लिया था। यह शरीर के अंदर के हिस्से के साथ त्वचा को भी नुकसान पहुंचाता है और इससे स्वास्थ्य पर बेहद गंभीर खतरा पैदा हो सकता है।

डॉक्टरों ने बताया कि आजकल लिक्विड नाइट्रोजन शादी और अन्य पार्टियों में काफी लोकप्रिय हो रहा है लेकिन, हमे सबसे पहले अपने स्वास्थ्य को तवज्जो देनी चाहिए।

भारत में मंगलवार को राजकीय शोक की घोषणा

नई दिल्ली। भारत सरकार ने ईरान के राष्ट्रपति डॉ सैय्यद इब्राहिम रईसी और देश के विदेश मंत्री होसैन अमीर अब्दुल्लाहियन का कल रात एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में निधन होने पर मंगलवार को एक दिन के राजकीय शोक की घोषणा की है। इस्लामी गणतंत्र ईरान के राष्ट्रपति डॉ सैय्यद इब्राहिम रईसी और ईरान के विदेश मंत्री होसैन अमीर अब्दुल्लाहियन का एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में निधन हो गया है। दिवंगत आत्माओं के सम्मान में, भारत सरकार ने 21 मई दिन मंगलवार को पूरे देश में एक दिन के राजकीय शोक की घोषणा की है।

विज्ञप्ति में कहा गया कि शोक के दिन, उन सभी इमारतों पर राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा जहां राष्ट्रीय ध्वज नियमित रूप से फहराया जाता है, और उस दिन मनोरंजन का कोई सरकारी कार्यक्रम नहीं होगा। तेहरान से प्राप्त सूचना के अनुसार अजरबैजान की सीमा के समीप हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मृत ईरानी राष्ट्रपति, विदेश मंत्री और अन्य अधिकारियों के शव सोमवार को बरामद कर लिया गया है और उन्हें तबरेज ले जाया गया, जहां उन्हें पूरे सरकारी सम्मान के साथ सुपुर्दे खाक किया जायेगा। रविवार को घटी घटना के बाद बचाव कर्मियों ने कोहरे और बारिश के मौसम में पूरी रात तलाशी अभियान जारी रहा। ईरान और तुर्की के ड्रोन ने सुबह संयुक्त रूप से हेलीकॉप्टर के मलबे का सटीक स्थान का पता लगाया, जहां बचाव दल दुर्घटनास्थल पर पहुंचे।

महाभारत काल की विरासत क्यों खोज रही सेना?

नई दिल्ली। सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने बताया कि भारतीय सेना 'उद्भव' परियोजना के तहत महाभारत के युद्ध, प्रतिष्ठित सैन्य हस्तियों के वीरतापूर्ण कारनामों और शासन कला में भारत की समृद्ध विरासत के संबंध में खोज कर रही है। 'उद्भव' परियोजना का उद्देश्य देश के रक्षा क्षेत्र को मजबूत करना है। जनरल पांडे ने बताया कि उद्भव परियोजना का उद्घाटन पिछले साल किया गया था। इसके तहत वेदों, पुराणों, उपनिषदों और अर्थशास्त्र जैसे प्राचीन ग्रंथों की गहराई से पड़ताल की जा रही है। इसने प्रख्यात भारतीय और पश्चिमी विद्वानों के बीच उल्लेखनीय बौद्धिक समानताओं का खुलासा किया है। सेना प्रमुख ने 'हिस्टोरिकल पैटर्न्स इन इंडियन स्ट्रैटेजिक कल्चर' (भारतीय सामरिक संस्कृति में ऐतिहासिक प्रणालियां) सम्मेलन में ये बातें कहीं। इस परियोजना का उद्देश्य आधुनिक सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए एक अद्वितीय और समग्र दृष्टिकोण तैयार करते हुए समकालीन सैन्य प्रथाओं के साथ प्राचीन ज्ञान का इस्तेमाल करना है। यह भारतीय सेना की ऐसी पहल है, जिसका लक्ष्य सदियों पुराने ज्ञान को समकालीन सैन्य शिक्षाशास्त्र के साथ एकीकृत करना है। सेना प्रमुख ने कहा, 'इस परियोजना में वेदों, पुराणों, उपनिषदों और अर्थशास्त्र जैसे प्राचीन ग्रंथों का गहराई से अध्ययन किया गया है, जो परस्पर जुड़ाव, धार्मिक सोच और नैतिक मूल्यों पर आधारित हैं।

उन्होंने कहा, इसमें महाभारत के युद्ध, मौर्य, गुप्त और मराठा के शासनकाल के समय की सामरिक उत्कृष्टता का अध्ययन किया गया है जिसने भारत की समृद्ध सैन्य विरासत को आकार दिया है।

सेना प्रमुख ने कहा कि इस परियोजना ने भारत की जनजातीय परंपराओं, मराठा नौसैन्य विरासत और सैन्य हस्तियों, विशेषकर महिलाओं के वीरतापूर्ण कारनामों को उजागर कर नए क्षेत्रों में खोज को प्रोत्साहित किया है। उन्होंने कहा, उद्भव परियोजना शिक्षाविदों, विद्वानों और सैन्य विशेषज्ञों के बीच नागरिक-सैन्य सहयोग को बढ़ावा देकर देश की समग्रता के दृष्टिकोण को मजबूत करती है। गौरतलब है कि चाणक्य द्वारा लिखित अर्थशास्त्र में युद्ध कला, शासन व्यवस्था और राजनीति समेत कई गूढ़ विषयों पर विचार प्रकट किए गए हैं।

कैसी हो नाबालिग अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई

पिता की महंगी कार से 24 साल के दो नौजवानों की जान लेने वाले नाबालिग पर कैसी कानूनी कार्रवाई हो, भारत में इस पर बहस चल रही है। मांग उठ रही है कि संगीन जुर्म के मामलों में किशोरों पर वयस्कों की तरह मुकदमा चलाया जाना चाहिए। मामला पुणे के कल्याणी नगर का है जहां रविवार 19 मई को एक 17 साल के लड़के ने अपनी महंगी गाड़ी से एक मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया है कि पॉर्शे गाड़ी बहुत तेज चलाई जा रही थी। इस दुर्घटना में मोटरसाइकिल पर सवार अनीश अवधिया और अश्विनी कोष्ठा बुरी तरह से घायल हो गए। 24 साल की अश्विनी की तो मौके पर ही मौत हो गई। अनीश ने बाद में अस्पताल में दम तोड़ दिया।

अनीश की भी उम्र 24 साल ही थी। शराब पी कर गाड़ी चलाना पुणे के पुलिस कमिश्नर अमितेश कुमार ने एक बयान में बताया कि नाबालिग आरोपी ने अभी अभी 12वीं की परीक्षा पास की थी और वो अपने दोस्तों के साथ एक पब में पार्टी कर रहा था। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि क्या उसने शराब भी पी थी। अगर पब में उसे शराब परोसी गई थी तो पब के खिलाफ भी पुलिस कार्रवाई हो सकती है क्योंकि महाराष्ट्र में 25 साल से कम उम्र के व्यक्ति को शराब पीने की इजाजत नहीं है। फिलहाल पुलिस ने उन दोनों रेस्तरां के प्रबंधकों को किशोर न्याय (जेजे) अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया है, जहां उसे कथित रूप से शराब परोसी गई थी। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक पुलिस ने जब आरोपी नाबालिग को जेजे बोर्ड के सामने पेश किया और उसकी हिरासत मांगी तो बोर्ड ने हिरासत देने से मना कर दिया और आरोपी को जमानत पर रिहा कर दिया।

बाद में पुलिस ने आरोपी के पिता को गिरफ्तार कर लिया और जेजे अधिनियम की 75 और 77 धाराओं के तहत उनके खिलाफ आरोप लगाए। धारा 75 के तहत जानबूझकर किसी नाबालिग के प्रति लापरवाही दिखाने वाले अभिभावक को सजा का प्रावधान है। धारा 77 के तहत किसी नाबालिग को शराब या कोई मादक पदार्थ देने वाले व्यक्ति के खिलाफ सजा का प्रावधान है। कड़ी सजा की मांग लेकिन इस बीच नाबालिग आरोपी को जमानत पर रिहा कर दिए जाने का भी विरोध हो रहा है। मृतकों के परिवार के सदस्यों ने इस फैसले का विरोध किया है और आरोपी को कड़ी सजा देने की मांग की है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक पुलिस ने भी सेशंस अदालत में अर्जी देकर नाबालिग आरोपी के साथ वयस्क की तरह पेश आने की इजाजत मांगी है।

अदालत का फैसला अभी आया नहीं है, लेकिन यह पहली बार नहीं है जब इस तरह की मांगें उठी हैं। 2012 में दिल्ली में हुए निर्भया बलात्कार और हत्याकांड में भी एक आरोपी नाबालिग था और उसे बाकी आरोपियों के बराबर सजा देने की मांग को लेकर कई प्रदर्शन हुए थे। 2016 में दिल्ली में ही एक और सड़क दुर्घटना का मामला सामने आया था, जिसमें आरोपी नाबालिग था।

उस मामले में भी आरोपी के खिलाफ एक वयस्क की तरह मुकदमा चलाने की मांग उठी थी। अब देखना यह है पुणे के मामले में अदालत क्या फैसला देती है।

छोले-भटूरे बेच रहा था 20 साल पहले मर्डर करके भागा आरोपी, पुलिस ने दो दिन आम बेचकर पकड़ा

दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने 41 साल के एक ऐसे शख्स को गिरफ्तार किया है, जो 20 साल पहले करवा चौथ के दिन दिल्ली में हुए एक अनाज व्यापारी के अपहरण और उसके कत्ल की वारदात में शामिल था। पुलिस के मुताबिक आरोपी नाम बदलकर उत्तर प्रदेश के मैनपुरी में रह रहा था और वहां छोले-भटूरे का ठेला लगा रहा था। सबसे खास बात ये है कि आरोपी को पकड़ने के लिए पुलिस ने भी तगड़ा जाल बिछाया। इसके लिए एक पुलिसकर्मी को आम का ठेला लगाने वाला बनाकर भेजा गया और आरोपी की पहचान पुख्ता होते ही उसे गिरफ्तार कर लिया।

बीस साल से फरार इस आरोपी का असली नाम सिपाही लाल है, लेकिन यह मैनपुरी में गुरदयाल छोले वाला बनकर रह रहा था। आरोपी ने 20 साल पहले अपने मालिक के साथ मिलकर दिल्ली के एक व्यापारी को प्रताड़ित किया था और फिर चाकू मारकर उसकी हत्या कर दी थी।

कई बार चाकू मारकर की थी हत्या

पुलिस उपायुक्त राकेश पावरिया ने इस केस की जानकारी देते हुए बताया, यह घटना 31 अक्टूबर 2004 की है। वह करवा चौथ का दिन था। उस दिन मुख्य आरोपी ने अपने चार साथियों के साथ मिलकर फिरौती के लिए अनाज व्यापारी रमेश गुप्ता का अपहरण कर लिया। हालांकि आरोपी फिरौती के लिए फोन नहीं कर सका और इसके बाद उसने व्यापारी के चेहरे पर कई बार पेंट छिड़ककर और चाकू मारकर उनकी हत्या कर दी।

घरवाले लगाते रह गए फोन

डीसीपी ने कहा, दिल्ली के शकरपुर इलाके में रहने वाले रमेश चंद गुप्ता उस रोज किसी काम से अपनी कार में घर से निकले थे लेकिन वापस नहीं लौटे। उनके परिवार के सदस्यों ने उनके मोबाइल फोन पर कई बार कॉल किया लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद उनके भाई जगदीश कुमार ने शालीमार बाग पुलिस स्टेशन में अपने भाई के अपहरण की रिपोर्ट दर्ज करवाई और भाई के लापता होने के पीछे एक स्थानीय फल और सब्जी व्यापारी मुकेश वत्स पर शक जताया।

मुख्य आरोपी ने कबूल की वारदात

पुलिस अधिकारी ने आगे कहा, 2 नवंबर 2004 को एक टीम ने बहादुरगढ़ CIA पुलिस से पीड़ित की कार बरामद कर ली, लेकिन गुप्ता का कुछ पता नहीं चला। जबकि एक अन्य टीम ने मुकेश वत्स को गिरफ्तार कर लिया, क्योंकि उसने अपराध में अपनी भूमिका स्वीकार कर ली थी।

फिरौती के लिए किया था अगवा

वत्स ने पूछताछ के दौरान पुलिस को बताया कि उसने अपने साथियों सिपाही लाल, शरीफ खान, कमलेश और राजेश के साथ मिलकर फिरौती के लिए रमेश गुप्ता का अपहरण किया था। मुख्य आरोपी मुकेश वत्स आजादपुर मंडी में सब्जी व्यापारी था और बाकी चार लोग उसके यहां काम करते थे।

कमरे में बुलाकर दी दर्दनाक मौत

पुलिस ने आगे बताया, करवा चौथ के दिन आरोपी मुकेश ने गुप्ता को मिलने के लिए बुलाया और कराला गांव के एक कमरे में ले गया। कमरे में अपने साथियों के साथ मिलकर उसने गुप्ता के चेहरे पर रंग छिड़कते हुए उन्हें बुरी तरह प्रताड़ित किया।

इसी बीच जब गुप्ता बेहोश हो गए, तो उनके शरीर पर कई बार चाकू से वार किए और यह सुनिश्चित करने के बाद कि वह मर चुके हैं, आरोपियों ने उनके शरीर को एक बोरे में डालकर बांधा और कराला गांव के एक नाले में फेंक दिया था।

तीन आरोपियों को आजीवन कारावास

अपराध के कबूलनामे के बाद पुलिस ने मुकेश, शरीफ खान और कमलेश को कराला गांव से गिरफ्तार करते हुए उनकी निशानदेही पर शव बरामद कर लिया था। हालांकि इस दौरान सिपाही लाल और राजेश पुलिस की गिरफ्त से बाहर रहे, जिसके बाद शहर की एक अदालत ने दोनों को अपराधी घोषित कर दिया। जांच के बाद पुलिस ने मुकेश वत्स और उसके दो सहयोगियों शरीफ खान और कमलेश के खिलाफ चार्जशीट दायर कर दी। जिसके बाद शहर की एक अदालत ने उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

दो दिनों तक पुलिसकर्मी ने बेचे आम

इसी बीच हाल ही में एक पुलिसकर्मी को आरोपी सिपाही लाल के यूपी में होने और नाम बदलकर रहने की सूचना मिली।

अधिकारी ने बताया, हमारी टीमें आरोपी का पता लगाने के लिए लगी हुई थीं, इसी बीच हमारे ASI सोनू नैन को गुप्त सूचना मिली कि आरोपी सिपाही लाल मैनपुरी में छिपा हुआ है और वहां के रामलीला मैदान में छोले-भटूरे बेच रहा है। जिसके बाद उसकी गतिविधियों का पता लगाने के लिए स्ढ्ढ नैन ने भी उसी इलाके में आम बेचना शुरू कर दिया और दो दिनों के बाद उसे पकड़ लिया। आरोपी सिपाही लाल वहां गुरदयाल छोले वाला के नाम से रह रहा था। पुलिस ने बताया चौथे आरोपी राजेश की तलाश अभी भी जारी है।

यात्री तय शुल्क अनुसार प्री पैड बूथ से ऑटो की कर सकेंगे बुकिंग

उज्जैन। यात्रियों की सुविधा के लिए उज्जैन जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन ने सार्थक पहल की हैं। जिसमें ऑटो रिक्शा और ई रिक्शा चालकों द्वारा यात्रियों से वाजिब किराया ही लिया जाए, इसके लिए 3 प्रीपेड बूथ शुरू किए गए हैं। रेलवे स्टेशन उज्जैन के बाहर दो और एक प्रीपेड बूथ महाकाल मंदिर के निर्गम गेट के पास स्थापित किया गया हैं। जहां से यात्री अपने गंतव्य स्थान के लिए निर्धारित दर अनुसार ऑटो की बुकिंग कर सकेंगे। कलेक्टर श्री नीरज कुमार सिंह और पुलिस अधीक्षक श्री प्रदीप शर्मा ने रेलवे स्टेशन के बाहर स्थापित प्री पैड बूथ और मालगोदाम के पास बने प्री पैड बूथ का भी शुभारंभ किया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री जयंत सिंह राठौर, निरीक्षक यातायात पुलिस श्री दिलीप सिंह परिहार, अध्यक्ष ऑटो रिक्शा संघ श्री नंद किशोर सोलंकी सहित ऑटो चालक उपस्थित रहे। ऑटो रिक्शा संचालक संघ द्वारा प्रशासन की इस पहल के लिए कलेक्टर एसपी को पुष्पगुच्छ और पुष्प वर्षा से स्वागत किया और पूर्ण सहयोग देने की बात कही। रसीद काटने के लिए ट्रैफिक पुलिस के जवान प्री पैड बूथ पर तैनात रहेंगे। यात्री को यहां से बुकिंग करनी होगी। प्रीपेड बूथ पर ही किराया सूची लगाई गई है। इस हिसाब से ही रसीद पर किराया लिखा जाएगा और रसीद यात्री को दे दी जाएगी। यहीं किराये के रुपये भी जमा कर दिए जाएंगे। जब यात्री गंतव्य तक पहुंच जाएगा तो रसीद आटो चालक को देनी होगी, इसे काउंटर पर जमा करने के बाद आटो चालक को भुगतान हो जाएगा।

बैटरी से चलने वाले ई रिक्शा वाहन का प्रथम 3 किलोमीटर पर प्रति व्यक्ति 10 रुपए और इसके बाद 3 किलोमीटर से अधिक यात्रा पर प्रति व्यक्ति 20 रुपए किराया देय होगा। साथ ही ऑटो वाहनों का भी नगर के प्रमुख स्थान के निर्धारित शुल्क की रेट लिस्ट चस्पा की गई है।

प्री पैड बूथ के शुभारंभ के पश्चात पुलिस अधीक्षक श्री शर्मा ने पहली टिकट काटी। उन्होंने उत्तर प्रदेश से आए यात्री प्रेम विश्वकर्मा को श्री महाकालेश्वर मंदिर जाने के लिए टिकट दी। इसके पश्चात यात्री प्रेम अपने ऑटो चालक मुकेश जायसवाल के साथ महाकाल मंदिर के लिए रवाना हुएं। यात्री प्रेम ने बताया कि मेरे जैसे बाहरी राज्यों से आए यात्रियों के लिए प्री पैड बूथ की व्यवस्था बहुत अच्छी हैं, मुझे यहां प्रमुख स्थानों तक जाने के लिए ऑटो के किराए की जानकारी नहीं थीं। प्रीपैड बूथ पर प्रशासन द्वारा निर्धारित रेट के अनुसार मैने अपनी टिकट ली हैं। जिससे मैं मनमाना किराया देने से बच गया।

ट्रेंचिंग ग्राउंड की एजेन्सी को टर्मिनेट किया जाएं-कलेक्टर

उज्जैन। स्वीकृत निर्माण कार्यों को पूरा करने में तेजी लाएं। पूर्व संचालित योजनाओं एवं कार्यक्रमों का प्रभावी ढंग से संचालन किया जाए। यह निर्देश कलेक्टर श्री नीरज कुमार सिंह ने सोमवार को प्रशासनिक संकुल भवन में आयोजित समयसीमा की बैठक में अधिकारियों को दिए।

उन्होंने कहा कि सभी विभागों के अधिकारी अपने निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने के लिए पूरी क्षमता के साथ कार्य करें। जिले के तराना में विगत 12 मई को आई आंधी तूफान के कारण ग्राम नैनावद में विद्युत आपूर्ति बाधित हुई। यह समस्या ग्राम में लगभग 6 दिन तक बनी रहीं। जिसके त्वरित निराकरण नहीं करने पर कलेक्टर श्री सिंह ने संबंधित जे. ई को निलंबित करने के निर्देश अधीक्षण यंत्री एम.पी. ई.बी को दिए।

कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए कि नगर निगम द्वारा नालों की सघन सफाई की जाना सुनिश्चित कराएं। उन्होंने बैठक में जोन वाइस 15 मई से अभी तक की गई साफ सफाई , जिला स्तरीय अधिकारियों द्वारा किए गए निरीक्षण की भी जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि नाले नालियों की साफ सफाई के साथ सिवरेज लाइन की सफाई भी बारिश से पहले की जाना सुनिश्चित कराएं। उन्होंने सख्त निर्देश दिए कि बारिश के दौरान नाले नालियों के ओवरफ्लो होने , सिवरेज लाइन फटने जैसे स्थिति निर्मित होने पर संबंधित की जिम्मेदारी तय करते हुए कार्यवाही की जाएगी।

बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने ट्रेंचिंग ग्राउंड में बार-बार आग लगने और प्रबंधन को लेकर मिल रही शिकायत पर ट्रेंचिग ग्राउंड की एजेंसी को टर्मिनेट करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ट्रेंचिंग ग्राउंड के उचित प्रबंधन के लिए नई एजेंसी लिए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने सोर्स सेग्रीगेशन के संबंध में भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने विभिन्न निर्माण विभागों से संबंधित स्वीकृत निर्माण कार्यों में भूमि आवंटन, भूमि अधिग्रहण के प्रकरणों के संबंध संबंधित अनुविभागीय अधिकारी राजस्व से जानकारी ली और रिपोर्ट देने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री सिंह ने बैठक में रबी उपार्जन की भी विस्तार से समीक्षा कर सफलतापूर्वक उपार्जन संपन्न कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शेष अपग्रेडेशन की कार्यवाही शीघ्र पूर्ण की जाए। बताया गया कि उपार्जन की तिथि 20 मई से बढ़ाकर 31 मई निर्धारित की गई है। कलेक्टर श्री सिंह ने खरीफ सीजन को ध्यान में रखते हुए खाद का भी सुचारु रूप से वितरण कराने के निर्देश दिए।

उन्होंने जीर्णशीर्ण भवनों के डिस्मेंटल की कार्यवाही की भी नगर निगम से जानकारी ली और आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने श्रावण मास की तैयारी के संबंध में भी बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने परिवहन विभाग को निर्देशित किया कि ई-रिक्शा संचालन के लिए रूट आवंटन की कार्रवाई शीघ्र पूर्ण की जाएं।उन्होंने हरियाली महोत्सव को लेकर वृक्षारोपण की भी कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने बैठक में आमजनों से प्राप्त शिकायतों की भी विभागवार समीक्षा की। उन्होंने शिकायतों का संतुष्टिपूर्वक निराकरण करने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री मृणाल मीना, एडीएम श्री महेन्द्र कवचे, एडीएम श्री अनुकूल जैन, सीईओ यूडीए श्री संदीप सोनी सहित सभी विभागों के जिलाधिकारी उपस्थित रहें।

शलाका प्रीमियर लीग में हुआ 5 टीमों के बीच मुकाबला

उज्जैन। शलाका बैडमिंटन संघ के तत्वावधान में शलाका प्रीमियर लीग का आयोजन किया गया। दो दिवसीय इस प्रतियोगिता में 5 टीमों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता के समापन समारोह में पुरुस्कार वितरण मुख्य अथिति संजय अग्रवाल, सीताराम गुप्ता उपस्थित रहे। फाइनल मैच टीम दौलतगंज होलसेल किराना मर्चेंट एसो. और जे के हॉस्पिटल के बीच खेला गया। रोमांचक मैच में टीम दौलतगंज ने बेस्ट ऑफ 5 में 3-2 से जेके हॉस्पिटल को हराकर विजय प्राप्त की। प्रतियोगिता में दौलतगंज होलसेल किराना मर्चेंट एसो., श्रीगंगा, जे.के. हॉस्पिटल, सोनूस कैफे, एमएनएम के बीच मुकाबला हुआ। इस पूरी प्रतियोगिता का मैनेजमेंट अंकित श्रीवास्तव, कुणाल रोहरा और सेवक पोहवानी (टीम व्हाई नोट व्लॉग्स यूट्यूब) द्वारा किया गया। शलाका संघ के अध्यक्ष कात्यान मिश्र, उपाध्यक्ष दिलीप धनवानी, सचिव विजय भार्गव, कोषाध्यक्ष आशीष जैन, अजय रोहरा, सोनू बफना, पीयूष बफना, सूरज सामधानी, श्रेय जैन, प्रभात सिरसट, अंकित श्रीवास्तव, वीएस रघुवंशी, राकेश मोदी, विनोद रोचलनी, दिलीप रोहरा, संजय भाटिया, कुलमित खालसा, अजय अग्रवाल, राजीव गुप्ता, रमन जायसवाल, अजीत पाल, अश्विन रोचवानी, संकल्प चौधरी, अकरम ख़ान, संदीप रघुवंशी, फ़ख़रुद्दीन अगरबत्तिवाला, डॉ आशीष शर्मा, केशव माहेश्वरी, प्रमोद गुप्ता, राजेश योहान, जितेंद्र डागर, आकाश चौहान, सुरेश यादव, सत्यजीत कुमार, अर्पित मोटवानी, राजेश परमार, सुहास बखूशी, अमित सचदेव, नीतीश जैन, पवन पटीदार, आनंद पटीदार, अथर्व बख्शी, शबाना अगरबत्तीवाला, आमरीन, रुचि, आशा, नेहा, सुहाना, हिमांशी, शिवानी, नेहा, सुहाना आदि उपस्थित रहे। उक्त जानकारी संस्था सचिव विजय भार्गव ने दी।

राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर आज शहर कांग्रेस कमेटी करेगी माल्यार्पण

उज्जैन। देश के सबसे युवा प्रधानमंत्री, 21वीं सदी के महानायक स्वर्गीय श्री राजीव गांधीजी की पुण्य तिथि पर शहर कांग्रेस कमेटी द्वारा आज 21 मई प्रातः 10 बजे पीपली नाका चौराहे पर एवं 10.30 बजे शहर जिला कांग्रेस कमेटी में माल्यार्पण कर स्व. राजीव गांधी जी का पुण्य स्मरण किया जावेगा।

सभी वरिष्ठ कांग्रेस जन, शहर कांग्रेस कार्यकारिणी सदस्य, सेवादल, महिला कांग्रेस, यूथ कांग्रेस, एनएसयूआई सहित सभी पार्षदगण एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं से श्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर होने वाले आयोजन में शामिल होने का अनुरोध शहर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश भाटी ने किया है।

मंडी में अव्यवस्था को लेकर व्यापारियों ने सचिव का किया घेराव

उज्जैन। कृषि उपज मंडी की अव्यवस्थाओं को लेकर आक्रोशित व्यापारियों ने सोमवार को मंडी सचिव का घेराव कर व्यवस्था सुधारने की मांग की। अन्यथा मंडी बंद करने की चेतावनी दी है।

बीते दिनों से मंडी में चोरियों की वारदात तेजी से बढ़ गई है, सफाई की व्यवस्था ध्वस्त है, गर्मी के दिनों में बदबू का सामना करना पड़ रहा है। शनिवार को भी एक व्यापारी की एक्टिवा दोपहर में ही चोरी चली गई। दूसरी घटना व्यापारी के तोल कांटे से मोबाइल चोरी चला गया। इन सब मामलों को लेकर सोमवार को व्यापारियों ने एक घंटा नीलामी कार्य बंद कर मंडी सचिव प्रवीण वर्मा से मुलाकात कर समस्याओं का निदान करने की मांग की। व्यापारी संघ अध्यक्ष जितेंद्र अग्रवाल व सचिव हजारी लाल मालवीय ने बताया की मंडी में सफाई की व्यवस्था के नाम पर कुछ नहीं है। चोरियों पर कोई नियंत्रण नहीं है। असामाजिक तत्व बेलगाम हो गए है। ऐसे में मंडी में व्यापार करना मुश्किल हो गया है। इस दौरान अनिल गर्ग अशोक तल्हेरा, सतीश राजवानी, राजेंद्र राठौर, कीर्तेश हरभजनका, घनश्याम मारु, मनीष गांवड़ी, शैलेन्द्र बुंदेला, राहुल लाठी, राहुल शेखावत, राहुल हेडा, अर्पित हरभजनका, विजय अग्रवाल, राकेश मंगल, राकेश जैन, महावीर जैन आदि ने मंडी सचिव को ज्ञापन देकर तीन दिवस में व्यवस्था सुधारने की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी कि यदि व्यवस्थाएं नहीं सुधरी तो आंदोलनात्मक कदम उठाया जाएगा।

उज्जैन का नाम अवंतिकापुरी किया जाए

उज्जैन। धर्मनगरी उज्जैन का नाम अवंतिकापुरी किया जाये यह मांग म. प्र शासन से करने का प्रस्ताव संस्कृति रक्षक मंच के अध्यक्ष श्री शिवेंद्र तिवारी की अध्यक्षता मे सम्पन्न हुई बैठक मे पारित किया गया, साथ ही यह मांग भी की गई कि विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग भगवान श्री महाकालेश्वर मंदिर मे हो रहे कार्य व श्रद्धालुओं की सुविधा के नाम पर मंदिर प्रबंध समिति द्वारा किये जाने वाले कार्यों को करने के पूर्व उज्जैन के साधु, संत, पुजारी, पुरोहित, पत्रकार, जानकार आदि लोगो के साथ विचार विमर्श करने के बाद ही कराया जावे।

यह जानकारी देते हुए संस्कृति रक्षक मंच के महामंत्री द्वय श्री राजेश व्यास व श्री मुकेश धाकड़ ने बताया की संस्कृति रक्षक मंच द्वारा लम्बे समय से समाज के विभिन्न विषयो को लेकर कार्य किया जा रहा है। गत दिवस मंच के अध्यक्ष श्री शिवेंद्र तिवारी की अध्यक्षता मे बैठक आहूत की गईं, बैठक मे निर्णय लिया गया की प्रत्येक सनातनी के घर मे श्रीरामचरित मानस होना चाहिए ताकि उनके बच्चो को अपने धर्म ग्रंथ की जानकारी हो सके और वे संस्कारी हो सके इसलिए मंच द्वारा शहर में ग्यारह हजार परिवार मे श्री रामचरित मानस ग्रंथ निःशुल्क उपलब्ध कराकर यह आव्हान करेगा की वह सनातनी परिवार अपने बच्चो को मानस पढ़ने के लिए प्रेरित करें।

बैठक मे यह भी निर्णय लिया गया की भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षा स्थली उज्जैन से नारायणा तक विशाल यात्रा निकाली जावेगी जो उज्जैन के सांदीपनी आश्रम से प्रारम्भ होकर नारायणा व स्वर्ण गिरी पर्वत तक जावेगी।

आपने बताया की उज्जैन के कई ऐसे धार्मिक स्थल है जिन पर एक वर्ग विशेष या समुदाय विशेष के लोगो ने छलकपट के माध्यम से अपना अधिपत्य जमा लिया है। उसे भी कानूनी रूप से मुक्त कराया जावे।

शहर की यातायात व्यवस्था सिंहस्थ क्षेत्र मे हो चुके पक्के निर्माण, मोक्ष दायिनी शिप्रा को प्रदूषण मुक्त करने, लव जिहाद से लड़कियो को बचाने के लिए संस्कार शिविरो के आयोजन आदि विषयो पर भी चर्चा होकर आगामी समय मे कार्यवाही किये जाने का निर्णय लिया गया।

अभिनेत्री शेफाली जरीवाला ने किये महाकाल के दर्शन

उज्जैन। अभिनेत्री एवं टीवी कलाकार शेफाली जरीवाला ने तड़के उज्जैन पहुंचकर विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग भगवान महाकाल के दर्शन के किए। परिवार के साथ महाकाल की भस्म आरती में शामिल होने के बाद उन्होंने मंदिर में दो घंटे बिताए। शेफाली भस्म आरती के दौरान नंदी हॉल में महाकाल की भक्ति में लीन नजर आईं। भस्म आरती के बाद नंदी हॉल से ही दर्शन कर उन्होंने महाकाल का आशीर्वाद लिया।

शेफाली सोमवार तड़के चार बजे भगवान महाकालेश्वर के मंदिर पहुंची थीं। उन्होंने नंदी हॉल से बाबा महाकाल की भस्म आरती देखी और उसके बाद चांदी द्वार से भगवान का पूजन कर बाबा महाकाल का आशीर्वाद लिया। महाकालेश्वर मंदिर के पुजारी पंडित महेश गुरु ने बताया कि अभिनेत्री और टीवी कलाकार शेफाली जरीवाला आज महाकालेश्वर मंदिर पहुंची थीं। इस दौरान उन्होंने दर्शन के दौरान सफेद रंग का पारंपरिक सलवार सूट पहन रखा था। उन्होंने मंदिर में सुबह 4 बजे होने वाली भस्म आरती में शामिल होकर बाबा महाकाल का आशीर्वाद लिया। महाकाल के दर्शन व पूजन करने के बाद उन्होंने नंदी जी के कानों मे अपनी मनोकामना कही और फिर आप यहां से रवाना हो गईं।

शेफाली जरिवाला ने कई अंग्रेजी और हिंदी संगीत वीडियो और बॉलीवुड फिल्मों में काम किया है। शेफाली को 2002 में म्यूजिक वीडियो कांटा लगा से प्रसिद्धि मिली थी। इसके बाद उन्होंने 10 से ज्यादा एल्बम सॉन्ग में काम किया है। वर्ष 2004 में रिलीज फिल्म मुझसे शादी करोगी में वे सलमान खान और अक्षय कुमार के साथ नजर आ चुकी हैं। फिर वह नृत्य रिएलिटी शो नच बलिए पांच में अपने प्रेमी के साथ दिखाई दी थीं। इसके साथ ही उन्हें बिग बॉस 13 में भी देखा गया था। वर्तमान में भी वे एक धारावाहित में कोमोलिका का किरदार निभा रही हैं।

महाकाल मंदिर के नृसिंह मंदिर में आज प्रकट उत्सव पर अभिषेक होगा

उज्जैन। महाकाल मंदिर परिसर में स्थित प्राचीन श्री लक्ष्मी-नृसिंह मंदिर में मंगलवार को भगवान नृसिंह का प्रकट उत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। सुबह अभिषेक-पूजन होगा, दोपहर में भगवान का श्रृंगार कर शाम को महाआरती की जाएगी।

महाकाल मंदिर स्थित श्री लक्ष्मी-नृसिंह मंदिर के पुजारी जयवंत रामदासी, पुजारी पंकेश रामदासी, पुजारी भुवनेश रामदासी ने जानकारी देते हुए बताया कि नृसिंह भगवान के प्रकट उत्सव पर मंदिर में फूलों व विद्युत रोशनी की आकर्षक सजावट की जाएगी। भगवान का पूजन, अभिषेक

कर जरी के वस्त्रों एवं चांदी के आभूषणें से श्रृंगार कर महाआरती की जाएगी व फलों व मिठाईयों का महाभोग लगाया जाएगा। दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया जाएगा।

आदर्श आचार संहिता में कर दिये पटवारियों के तबादले, कलेक्टर सहित चुनाव आयोग को शिकायत

उज्जैन। घट्टिया अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अनुविभाग घट्टिया के द्वारा रिक्त/अतिरिक्त हल्कों का प्रभार आगामी आदेश तक अस्थायी रूप से तत्काल प्रभाव से सौंपा गया है जिसे मकसूद अली एडयोकेट प्रदेश सचिव म.प्र. कांग्रेस कमेटी द्वारा आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन बताते हुए कलेक्टर के साथ ही राष्ट्रीय चुनाव आयोग नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश चुनाव आयोग भोपाल को शिकायत की है। मकसूद अली ने बताया कि उज्जैन आलोट लोकसभा के चुनाव 13 मई को हुए।

आदर्श आचार संहिता पूरे राष्ट्र में 5 जून 2024 तक प्रभावशील है किन्तु उज्जैन जिले के कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) अनुभाग घट्टिया जिला उज्जैन के द्वारा पटवारीयों की तबादला सूची 15 मई 2024 को जारी की गई हैं जो कि आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन हैं।

इसकी कोई परमिशन राष्ट्रीय चुनाव आयोग या मध्यप्रदेश चुनाव आयोग से नहीं ली गई है।

मकसूद अली ने तबादला सूची के आदेश की कॉपी संलग्न कर शिकायत कर मांग की कि उक्त सूची को निरस्त कर संबंधित अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) अनुभाग घट्टिया जिला उज्जैन के विरुद्ध आदर्श आचार संहिता के उल्लघंन करने के सबंध में विधि सम्मत कार्यवाही की जायें।

चित्त मलिन होने से आत्मा निर्बल होती है-सिकरवार

उज्जैन। ईश्वर के पास जाने हेतु किसी मार्ग की नहीं बल्कि हमारे प्राचीन ऋषि मुनि द्वारा बताए ध्यान यज्ञ योग स्वाध्याय के साथ वैदिक विचारो को आत्मसात करने की आवश्यकता है। ईश्वर हमारे अत्यन्त निकट है। ईश्वर सचिदानंद, निराकार, सर्व शक्तिमान, न्यायकारी, सर्वांतर्यामी, अजर अमर नित्य और पवित्र है। उक्त विचार प्रसिद्ध, विचारक नेत्र चिकित्सक डॉ आनन्द मोहन सक्सेना ने आर्य समाज उज्जैन के साप्ताहिक सत्संग में व्यक्त किए। इसके पूर्व सेवानिवृत्त व्याख्याता कवि नटवरलाल शर्मा ने कहा की आत्मा को परमात्मा के निकट लाने और ईश्वर के गुणों को आत्मसात करने पर परमानंद प्राप्त होता है। मंत्री नवनीत सिकरवार ने कहा चित्त मलिन होने से आत्मा निर्बल होती है हमारे महापुरुष भगवान श्री राम और भगवान श्री कृष्णा करुणा निधि भी थे और अत्याचारियों को दंड भी देते थे। प्रारंभ में आचार्य जीवन प्रकाश आर्य के द्वारा वैदिक मत्रों से यज्ञ संपन्न करवाया गया।

गोवध करने वाले लोगों के घर पर चला बुलडोजर

देवास। जिले के बरौठा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम खेताखेड़ी के समीप गोवध का मामला सामने आया है। यहां रविवार अलसुबह गौमांस की तस्करी करने से पहले ही ग्रामीणों ने एक व्यक्ति को पकड़कर उसकी पिटाई कर दी, जिसके बाद बरोठा पुलिस को सौंप दिया। घटना के विरोध में हिन्दू संगठन के लोगों ने सड़क जाम कर कार्रवाई की मांग की। इसके बाद प्रशासन ने आरोपी के घर पर बुलडोजर चला दिया है। पुलिस के अनुसार, ग्राम खेताखेड़ी निवासी किसान सुनिल चौधरी ने बताया कि उनकी दो गायों को अज्ञात लोगों ने निशाना बनाया। रात को गाय खेताखेड़ी कांकड़ पर बंधी हुई थी। वह रोज की तरह रविवार अलसुबह खेत पहुंचा तो कुछ लोग गाय के अवशेष थैलों में भर रहे थे। करीब 6-7 लोग

थे। किसान ने गांव वालों को सूचना दी। वह वहां पहुंचा तो आरोपितों ने उसे धमकाया। इतने में गांव वाले भी वहां पहुंच गए। मौका देखकर सभी लोग भागने लगे। इस दौरान ग्रामीणों ने एक एक युवक को पकड़ लिया और उसकी पिटाई कर पुलिस को सौंप दिया। इसके बाद हिन्दू संगठन के लोग भी वहां पहुंच गए और कार्रवाई की मांग को लेकर ग्रामीणों के साथ जाम लगा दिया। ग्रामीणों ने करीब तीन घंटे बाद चक्काजाम खत्म कर दिया। पुलिस ने आरोपित आमीन पुत्र याकूब शाह निवासी बड़ा बाजार मोमन टोला के खिलाफ कार्रवाई करते हुए निगम की टीम के साथ उसके मकान पर पहुंच कर मकान तोड़ने की कार्रवाई की। फिलहाल पुलिस और इस मामले की छानबीन कर रही है। जिला गोरक्षा प्रमुख रमेश कौशल ने बताया कि रविवार सुबह हमारे पास सूचना आई की खेताखेड़ी क्षेत्र में गोकशी हुई है। हम मौके पर पहुंचे तो वहां कुछ थैले मिले, जिसमें गोवंश के अवशेष थे। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। बरोठा थाना प्रभारी प्रतीक राय ने बताया कि कुछ लोगों ने गोवंश की हत्या की है। गांव वालों ने आमीन पुत्र याकूब को पकड़ा है। पुलिस मामले में जांच कर रही है। बाकी के आरोपितों की तलाश की जा रही है।

मल्लिकार्जुन खड़गे की तस्वीर पर पोती कालिख

कोलकाता। कोलकाता में कांग्रेस दफ्तर के बाहर लगे पोस्टर में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की

तस्वीर पर कालिख देखी गई है। पोस्टर में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की तस्वीर है।

इसमें मल्लिकार्जुन खड़गे की तस्वीर पर स्याही पोती गई है। राजनीतिक हलकों में इस घटना को कांग्रेस में अंदरूनी कलह का नतीजा माना जा रहा है। दूसरी तरफ कांग्रेस ने इसके लिए तृणमूल कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया। पुलिस में शिकायत भी की है।

दरअसल, ममता बनर्जी ने कुछ दिन पहले एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा था कि केंद्र में इंडी गठबंधन की सरकार बनने पर वह उसे बाहर से समर्थन देंगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने उनके इस बयान पर टिप्पणी करते हुए कहा था कि ममता बनर्जी पर भरोसा नहीं किया जा सकता है। वह भाजपा के साथ जा सकती हैं।

अधीर रंजन के इस बयान के बाद शनिवार को कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि ममता बनर्जी गठबंधन के साथ हैं। उन्होंने हाल ही में कहा है कि वह सरकार में शामिल होंगी।

अधीर रंजन चौधरी फैसला नहीं लेंगे। फैसला मैं और आलाकमान लेंगे, जो सहमत नहीं होंगे वे बाहर जाएंगे।

इसके बाद अधीर रंजन ने भी खड़गे के बयान पर असंतोष व्यक्त किया था।

आज रविवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की तस्वीर पर स्याही पोते जाने से प्रांतीय और राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस नेतृत्व के बीच टकराव की अटकलों को बल मिला है। हालांकि प्रदेश कांग्रेस ने इस घटना के पीछे तृणमूल का हाथ होने की आशंका जाहिर की है।

मामले को लेकर मध्य कोलकाता के कांग्रेस अध्यक्ष सुमन पाल ने एंटाली पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है।

पुरोहित राजेंद्र गुरु पर आरोप भस्म आरती के नाम पर 200 की जगह 1500 रुपये की मांग की

उज्जैन। महाकालेश्वर मंदिर में एक बार फिर ठगी का मामला सामने आया है। मुंबई की एक महिला श्रद्धालु से मंदिर के पुरोहित ने भस्मारती करने के नाम पर 1500 रुपये मांगे। इस मामले को लेकर श्रद्धालु ने उज्जैन कलेक्टर को ईमेल पर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलने के बाद कलेक्टर नीरज सिंह ने जांच के बाद कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

बाबा महाकाल के मन्दिर में महाकाल लोक बनने के बाद श्रद्धालुओं की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। देश विदेश से लोग महाकाल के दर्शन को पहुंचते हैं। कई लोग भस्म आरती और दर्शन को लेकर ठगी का शिकार भी होते हैं। मंदिर समिति ने भस्म आरती के 201 रुपये और शीघ्र दर्शन के 250 रुपये शुल्क रखा है। साथ ही वीआईपी प्रोटोकॉल के द्वारा भी महाकाल के दर्शन कराए जाते हैं। बाबा महाकाल के अच्छे से दर्शन हो, इस बात का फायदा महाकाल मंदिर के पुजारी, पुरोहित और उनके लोग श्रद्धालुओं के साथ ठगी करते हैं। मधु शंकर नाम की एक महिला अपने परिवार के चार सदस्य के साथ भस्म आरती में शामिल होना चाहती थी। इसके पहले भी महाकाल मंदिर के पुरोहित राजेंद्र गुरु ने उसे बाब के दर्शन करवाए थे। मधु ने 12 मई को फोन से भस्म आरती में शामिल होने की बात की। राजेंद्र गुरु ने प्रति श्रद्धालु 1500 रुपये लेने की बात कही, जबकि प्रति श्रद्धालु 200 रुपये ही लगते हैं। इस पर महिला श्रद्धालु ने कलेक्टर ने शिकायत करने की धमकी दी।

पुरोहित ने कहा कि चाहे आप सीएम से भी शिकायत कर दो, लेकिन हम 1500 रुपये ही लेंगे। साथ ही कहा कि अगर इतने पैसे नहीं सकती तो लाइन में लगकर कर लेना दर्शन। उसके बाद महिला ने ईमेल के जरिए कलेक्टर नीरज कुमार सिंह ने इसकी शिकायत कर दी।

उन्होंने महाकाल मंदिर के प्रशासक मृणाल मीणा को जांच सौपी है। अपनी शिकायत में मुम्बई की रहने वाली मधु शंकर ने महाकाल मंदिर के पुरोहित राजेंद्र गुरु पर आरोप लगाया है कि उसने भस्म आरती के नाम पर 200 की जगह 1500 रुपये की मांग की।

विधायक अनिल जैन कालुहेड़ा ने बच्चों के साथ की तैराकी

उज्जैन। खेल एवं युवा कल्याण विभाग एवं जिला तैराकी संघ उज्जैन के संयुक्त तत्वाधान में महानंदा नगर स्विमिंग पूल पर आयोजित निःशुल्क तैराकी शिवीर का अवलोकन विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा एवं कुलपति प्रो. अखिलेश पांडे ने किया।

शिविर कोऑर्डिनेटर दीपक जैन के अनुसार कुलपति विक्रम विश्वविद्यालय प्रो. अखिलेश पांडे द्वारा निःशुल्क तैराकी शिवीर का अवलोकन कर बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि शारीरिक विकास और बौध्दिक क्षमता बढ़ानी है तो बच्चो को खेलों के पास रखो, मोबाइल से रखो दूर। वहीं विधायक अनिल जैन कालुहेड़ा ने बच्चों के साथ तैराकी की। विधायक जैन ने कहा कि पहला सुख निरोगी काया है और निरोगी काया के लिए तैराकी एक अच्छा व्यायाम है।

इस अवसर पर दीप ज्योति वेलफेयर सोसाइटी के द्वारा सभी प्रशिक्षु बच्चों एवं अभिभावकों को एनर्जी ड्रिंक का वितरण किया गया। इस अवसर पर जिला तैराकी संघ के अध्यक्ष डॉ (सीए) अनुभव प्रधान, उपाध्यक्ष चित्रेश शर्मा और सचिव हरीश शुक्ला, शिविर कोऑर्डिनेटर दीपक जैन, कोच राजेंद्र सिंह चौहान, खिलाड़ी सहित उनके अभिभावक उपस्थित रहे। संचालन विजय दीक्षित द्वारा किया गया।

पत्रकारिता के महापितामह देवर्षि नारद

इस साल नारद जयंती ज्येष्ठ कृष्ण प्रतिपदा (तदनुसार 24 मई 2024) को मनाई जाएगी। देवर्षि नारद सृष्टिकर्ता प्रजापति ब्रह्मा के मानस पुत्र हैं। वो आदि पत्रकार हैं। महान तपस्वी, तेजस्वी, सम्पूर्ण वेदान्त, शास्त्र के ज्ञाता तथा समस्त विद्याओं में पारंगत हैं। ब्रह्मतेज से संपन्न हैं। नारद जी के महान कृतित्व व व्यक्तित्व पर जितनी भी उपमाएं लिखी जाएं कम हैं। देवर्षि नारद ने अपने धर्म से परमात्मा का ज्ञान प्राप्त किया। वे प्राणी मात्र के कल्याण के लिए सदा उपस्थित रहे। वे देवता, दानव और मानव समाज के हित के लिए सर्वत्र विचरण, चिंतन व विचार मग्न रहते थे। देवर्षि नारद की वीणा से निरंतर नारायण की ध्वनि निकलती रहती थी। भगवद् भक्ति की स्थापना तथा प्रचार के लिए ही नारद का अवतार हुआ। नारद चिरंजीवी हैं। नारद जी का संसार में अमिट प्रभाव है। देव, दानव, मानव सबके सत्कार्यों में देवर्षि नारद सहायक सिद्ध होते हैं। नारद जी का जीवन जनकल्याण व मंगलमय जीवन के लिए ही है। नारद जी पर नारायण की विशेष कृपा है। वे शत्रु तथा मित्र दोनों में ही लोकप्रिय थे।

देवर्षि नारद त्रिकालदर्शी व पृथ्वी सहित सभी ग्रह नक्षत्रों में घट रही घटनाओं के ज्ञाता तो थे ही उनके मन में कठिन से कठिन समस्याओं के समाधान भी चलायमान रहते थे। देवर्षि नारद व्यास, वाल्मीकि, शुकदेव जी के गुरु रहे। नारद ने ही प्रह्लाद, ध्रुव, राजा अम्बरीष आदि को भक्ति मार्ग पर प्रवृत्त किया। नारद ब्रह्मा, शंकर, सनतकुमार, महर्षि कपिल, मनु आदि बारह आचार्यों में अन्यतम हैं। प्रचलित कथा के अनुसार देवर्षि नारद अज्ञातकुलशील होने पर भी देवर्षि पद तक पहुंचे। बाल्यकाल में उनके मन में चंचलता नहीं थी, वे मुनि जनों की आज्ञा का पालन किया करते थे। उनकी अनुमति प्राप्त करके वे बर्तनों में लगा जूठन दिन में एक बार खा लिया करते थे। इससे उनके जन्म के सारे पाप धुल गए। नारद जी की सेवा से प्रभावित होकर मुनिगण उन पर अपनी कृपा रखने लगे।

संतों की सेवा करते-करते उनका हृदय शुद्ध रहने लगा। भजन-पूजन में उनकी रुचि बढ़ती गई। उनके हृदय में भक्ति का प्रादुर्भाव हो गया। वे अपनी माता के साथ ब्राह्मण नगरी में रहते थे। माता के कारण वे भी कहीं अन्यत्र नहीं जा सके। कुछ दिनों बाद एक दिन उनकी माता को सर्प ने काट लिया जिससे उनकी मृत्यु हो गई। नारद जी ने उसे विधि का विधान माना और गृह त्याग करके उत्तर दिशा की ओर चल दिए। इसके बाद उन्होंने अपनी सतत साधना और तपस्या के बल पर देवर्षि का पद प्राप्त किया। किसी-किसी पुराण में देवर्षि नारद को उनके पूर्वजन्म में सारस्वत नामक एक ब्राहमण बताया गया है। जिन्होंने नमो नारायणाय मंत्र के जाप से भगवान नारायण का साक्षात्कार किया। कालांतर में पुनः ब्रह्मा जी के दस मानस पुत्रों के रूप में जन्म लिया। नारद शुद्धात्मा, शांत, मृदु तथा सरल स्वभाव के हैं। मुक्ति की इच्छा रखने वाले सभी लोगों के लिए नारद जी स्वयं ही प्रयत्नशील रहते हैं। नारद जी को ईश्वर के प्रत्यक्ष दर्शन होते थे। उन्हें ईश्वर का मन कहा गया है। वे परम हितैषी हैं उनका अपना कोई स्वार्थ नहीं हैं। वे प्रभु की प्रेरणा से निरंतर कार्य करते रहते हैं। नारद जी ने दक्ष प्रजापति के हयाश्व- शबलाक्ष नामक सहस्त्र पुत्रों को अध्यात्म तत्व का पाठ पढ़ाया। देवर्षि नारद ने सभी के लिए भगवद् भक्ति का द्वार खोल रखा था। वे जीव मात्र के कल्याण के लिये भगवान नाम कीर्तन की प्रेरणा देते रहते हैं। देवर्षि नारद का वर्ण गौर सिर पर सुंदर शिखा सुशोभित है। उनके शरीर में एक विशेष प्रकार की उज्ज्वल ज्योति निकलती रहती थी। वे देवराज इंद्र द्वारा प्राप्त श्वेत दिव्य वस्त्रों को धारण किए रहते हैं। वे अनुषांगिक धर्मों के ज्ञाता थे। नारद लोप, आगम, धर्म तथा वृत्ति संक्रमण के द्वारा प्रयोग में आए हुए एक- एक शब्द की अनेक अर्थों में विवेचना करने में सक्षम थे। कृष्ण युग में गोपियों का वर्चस्व स्थापित किया। प्रथम पूज्य देव गणेश जी को नारद जी का ही मार्गदर्शन प्राप्त हुआ था। देवर्षि नारद स्वभावतः धर्म निपुण तथा नाना धर्मों के विशेषज्ञ हैं। वे चारों वेदों के ज्ञाता हैं।

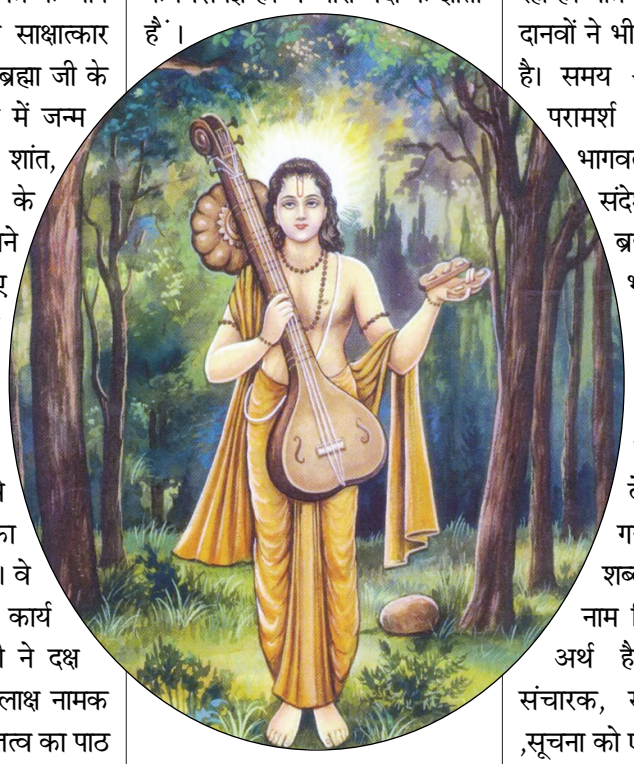

उन्होंने विभिन्न वैदिक धर्मों की मर्यादाएं स्थापित की हैं। वे अर्थ की व्याख्या के समय सदा संशयों का उच्छेद करते हैं। नारद जी के द्वारा रचित अनेक ग्रंथों का उल्लेख मिलता है-जिनमें प्रमुख हैं नारद पंचरात्र, नारद महापुराण, वृहद रदीय पुराण, नारद स्मृति, नारद भक्ति सूत्र, नारद परिवाज्रक उपनिषद आदि। इसके अतिरिक्त नगरीय शिक्षा शास्त्र के साथ ही अनेक स्तोत्र भी नारद जी के द्वारा रचित बताये जाते है। भगवद् भक्ति की स्थापना तथा प्रचार के लिए नारद जी का आविर्भाव हुआ। देवर्षि नारद धर्म के प्रचार तथा लोक कल्याण हेतु सदैव प्रयत्नशील रहे। इस कारण सभी युगों में सभी लोकों में समस्त विद्याओं में समाज के सभी वर्गों में नारद जी का सदा से प्रवेश रहा है। मात्र देवताओं ने ही नहीं वरन दानवों ने भी उन्हें सदैव आदर किया है। समय -समय सभी ने उनसे परामर्श लिया है। नारद जी भागवत संवाददाता भी थे, संदेश वाहक भी थे और ब्रह्माण्ड के प्रथम पत्रकार भी माने गए।

नारद जी के विभिन्न उपनाम भी हैं। कौटिल्य के अर्थशास्त्र में उन्हें संचारक अर्थात सूचना देने वाला पत्रकार कहा गया है। संस्कृत के शब्दकोष में उनका एक नाम पिशुन आया है जिसका अर्थ है सूचना देने वाला संचारक, सूचना पहुंचाने वाला ,सूचना को एक स्थान से दूसरे स्थान तक देने वाली है। आचार्य पिशुन से स्पष्ट है कि देवर्षि नारद तीनों लोकों में सूचना अथवा समाचार के प्रेषक के रूप में परम लोकप्रिय थे।

वे रामायण युग में भी थे तो महाभारत काल में पांडवों के सबसे बड़े हित साधक भी थे। जनमानस के कल्याणार्थ नारद मुनि ने सत्यनारायण भगवान की कथा, व्रत महात्मय आदि की श्रेष्ठता समाज में स्थापित की। जिज्ञासा प्रकट करने के बाद ही भगवान श्रीहरि ने नारद जी को समस्त पूजा एवं हवन का विस्तार से वर्णन किया और अंत में आश्वस्त करते हुए उनसे कहा कि श्रद्धा पूर्वक किया गया भगवान सत्य नारायण का व्रत सभी कामनाओं को पूर्ण करने वाला होता है। महाभारत युग में भी पाण्डवों का हित साधन नारद जी ने ही किया था। महारानी द्रौपदी को पांच पांडवों के साथ रहने का नियम भी नारद जी ने ही बनवाया था जिससे पतिव्रता द्रौपदी और पांचों पांडवों के बीच सामंजस्य का वातावरण बना रहे। सभी पुराणों में महर्षि नारद एक मुख्य व अनिवार्य भूमिका में उपस्थित हैं। परमात्मा के विषय में संपूर्ण ज्ञान प्राप्त करने वाले दार्शनिक को नारद कहा गया है। पुराणों में नारद को भागवत संवाददाता भी कहा गया है। यह भी सर्वमान्य है कि नारद की ही प्रेरणा से महर्षि वाल्मीकि ने रामायण जैसे महाकाव्य और व्यास ने महाभारत जैसे काव्य की रचना की थी। नारद सदैव ही सामूहिक कल्याण की भावना को सर्वोपरि रखते थे। नारद में अपार संचार योग्यता व क्षमता थी। आदि पत्रकार नारद जी की पत्रकारिता सज्जन रक्षक व एवं दुष्ट विनाशक की थी। वे सकारात्मक पत्रकार की भूमिका में रहा करते थे। पत्रकार के रूप में काशी, प्रयाग, मथुरा, गया, बद्रिकाश्रम, केदारनाथ, रामेश्वरम सहित सभी तीर्थों की सीमा तथा महत्व का वर्णन नारद पुराण में मिलता हैं। देवर्षि नारद की पत्रकारिता समाज के लिए हितकारी व दुष्टों का संहार करने वाली थी। नारद जी की पत्रकारिता अध्यात्म पर आधारित थी। उन्होंने स्वार्थ , लोभ, एवं माया के स्थान पर परमार्थ को श्रेष्ठ माना। महान विपत्तियों से मानवता की रक्षा का काम किया। वर्तमान समय में पत्रकारिता को नारदीय आदर्श अपनाने की आवश्यकता है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, मालवा प्रांत के संघ शिक्षा वर्ग तरुण व्यवसायी का शुभारंभ

उज्जैन। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, मालवा प्रांत का संघ शिक्षा वर्ग (तरुण व्यवसायी) का शुभारंभ रविवार को सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय परिसर आगर में मालवा प्रांत के प्रांत संघ चालक डॉ. प्रकाश शास्त्री एवं वर्ग के सर्वाधिकारी डॉ. अजय जैन, वरिष्ठ सर्जन खरगोन द्वारा भारत माता के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्जवलित कर किया गया।

इस अवसर पर मालवा प्रांत के प्रांत प्रचारक राजमोहनजी, वर्ग के कार्यवाह मनीष गोयल, वर्ग के पालक मनीष नीम की विशेष उपस्थिति रही। प्रशिक्षार्थीयो को संबोधित करते हुए डॉ. प्रकाश शास्त्री ने अपने उद्बोधन में कहा कि तरुण व्यवसायी स्वयंसेवक संघ स्थान पर मानसिक और शारीरिक रूप से तैयार होता है तथा समाज जीवन के विभिन्न विषयों का प्रशिक्षण प्राप्त कर समाज परिवर्तन में अपनी भूमिका प्रमाणिकता से निभाता है। संघ शिक्षा वर्ग (तरुण व्यवसायी) 19 मई से 3 जून तक चलेगा।

15 दिवसीय शिक्षा वर्ग में मालवा क्षेत्र उज्जैन/इंदौर संभाग के 28 जिलों से कुल 371 प्रशिक्षार्थी सहभागी हुए। जिन्हें 41 शिक्षक प्रशिक्षण देंगे।

सभी प्रशिक्षार्थी अपने स्वयं के व्यय से वर्ग में पहुंचे है और निर्धारित शुल्क जमा कर वर्ग में प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। आगर मालवा जिले के अधिकतम ग्रामों से प्रशिक्षार्थियों के भोजन हेतु समिधा (रोटी) संग्रह की जावेगी।

जलेबी का उत्तर भारत में जलवा

जलेबी बिहार और खासकर उत्तरी भारत में जलेबी बड़े शौक से खायी और खिलाई जाती है, परन्तु दुनिया के 90 फीसदी लोग जलेबी का संस्कृत और अंग्रेजी नाम नहीं जानते।

जानें जलेबी के गुण व जलेबी से जुड़े दिलचस्प किस्से-

जलेबी में जल तत्व की अधिकता होने से इसे जलेबी कहा जाता है। मानव शरीर में 70 फीसदी पानी होता है, इसलिए इसे खाने से जलतत्व की पूर्ति होती है। जलेबी को रोगनाशक औषधि भी बताया है। गर्म जलेबी चर्म रोग की बेहतरीन चिकित्सा है।

जलेबी को....

- संस्कृत में कुण्डलिनी।
- महाराष्ट्र में जिलबी।
- बंगाल में जिलपी कहते है।
- जलेबी का भारतीय नाम जलवल्लिका है।
- अंग्रेजी में जलेबी को स्वीट्मीट (Sweetmeet) और सिरप फील्ड रिंग कहते हैं।
- महिलाएं अपने केशों से 'जलेबी जूड़ा' भी बनाती हैं।

जलेबी का जलवा

- बंगाल में पनीर की।
- बिहार में आलू की।
- उत्तरप्रदेश में आम की।
- म.प्र. के बघेलखण्ड-रीवा, सतना में मावा की जलेबी खाने का भारी प्रचलन है।
- कहीं-कहीं चावल के आटे की और उड़द की दाल की जलेबी का भी प्रचलन है।
- ग्रामीण क्षेत्रों में दूध-जलेबी का नाश्ता करते हैं।

जलेबी तेरे रूप अनेक

जलेबी डेढ अण्टे, ढाई अण्टे और साढे तीन अण्टे की होती है। अंगूर दाना जलेबी, कुल्हड़ जलेबी आदि की बनावट वाली गोल-गोल बनती है।

जलेबी से तात्पर्य

जलेबी दो शब्दों से मिलकर बनता है। जल+एबी अर्थात् यह शरीर में स्थित जल के ऐब (दोष) दूर करती है। शरीर में आध्यात्मिक शक्ति, सिद्धि एवं ऊर्जा में वृद्धि कर स्वाधिष्ठान चक्र जाग्रत करने में सहायक है। जलेबी के खाने से शरीर के सारे ऐब (रोग दोष) जल जाते हैं।

जलेबी ओषधि भी है

जलेबी अर्थात जल+एबी। यह शरीर में जल के ऐब, जलोदर की तकलीफ मिटाती है। जलेबी की बनावट शरीर में कुण्डलिनी चक्र की तरह होती है।

अघोरी की तिजोरी

अघोरी सन्त आध्यात्मिक सिद्धि तथा कुण्डलिनी जागरण के लिए सुबह नित्य जलेबी खाने की सलाह देते हैं। मैदा, जल, मीठा, तेल और अग्नि इन 5 चीजों से निर्मित जलेबी में पंचतत्व का वास होता है।

अपने ऐब (दोष) जलाने, मिटाने हेतु नित्य जलेबी खाना चाहिये। वात-पित्त-कफ यानि त्रिदोष की शांति के लिए सुबह खाली पेट दही के साथ, वात विकार से बचने के लिए-दूध में मिलाकर और कफ से मुक्ति के लिए गर्म-गर्म चाशनी सहित जलेबी खावें।

रोग निवारक जलेबी

- जलेबी ओषधि भी है जो लोग सिरदर्द, माईग्रेन से पीड़ित हैं वे सूर्योदय से पूर्व प्रातः खाली पेट 2से 3 जलेबी चाशनी में डुबोकर खाकर पानी नहीं पीएं सभी तरह मानसिक विकार जलेबी के सेवन से नष्ट हो जाते हैं।
- जलेबी पीलिया से पीड़ित रोगियों के लिए यह चमत्कारी ओषधि है। सुबह खाने से पांडुरोग दूर हो जाता है।
- जिन लोगों के पैर की बिम्बाई फटने या त्वचा निकलने की परेशानी रहती हो हो वे 21 दिन लगातार जलेबी का सेवन करें।

आयुर्वेदिक जड़ी बूटी जलेबी

जंगली जलेबी नामक फल उदर एवं मस्तिष्क रोगों का नाश करता है। भावप्रकाश निघण्टु में उल्लेख है-

जो जंगल जलेबी खावै,
दुःख संताप मिटावै।
जलेबी खाये जगत गति पावै!

जलेबी खाने वालों को ब्रह्मचर्य का विधिवत् पालन करना चाहिये ''टपकी जाये जलेबी रस की''। अतः आयुर्वेद में विवाह होने तक स्वयं पर अंकुश रखने का निर्देश है। जलेबी के फायदे। जलने, कुढन में उलझे लोग यदि जानवरों को जलेबी खिलाये तो मन शांत होता है। क्योंकि मन में अमन है, तो तन चमन बन जाता है और तन ही हमारा वतन है नहीं तो सबका पतन हो जाता है इसे जतन से संभालो।

जलेबी की कहावतें-

खाये जलेबी बनो दयालु,
तहि चीन्हे नर कोई।
तत्पर हाल-निहाल करत हैं,
रीझत है निज सोई।
जलेबी खाने से दया,
उदारता उत्पन्न होती है।
पहचान बनती है।
आत्मविश्वास आता है।
टूटी की नही बनी है बूटी,
झूठी की नही बनी है खूँटी।
फूटी को नही बनी है सूठी,
रूठी तो बने काली कलूटी।

अर्थात-जिस व्यक्ति का आत्मविश्वास अंदर से टूट जाये उसको ठीक करने की कोई बूटी यानी ओषधि आज तक नहीं बनी है। जो आदमी बार -बार बदलता है इनकी एक खूटी यानि ठिकाना नही होता। जिसकी किस्मत फूटी हो, जो भाग्यहीन हो, उसका भला सूफी-संत भी नही कर सकते और स्त्री रूठ जाये तो काली का भयंकर रूप धारण कर लेती है। अतः इन सबका इलाज जलेबी है।

रोज सुबह जलेबी खाओ।
भव सागर से पार लगाओ।
खाली पेट करे मुख मीठा।
विद्वान वाद-विवाद बसो दे झूठा।

बाबा कीनाराम सिद्ध अवधूत लिखते हैं-

बिनु देखे बिनु अर्स-पर्स बिनु,
प्रातः जलेबी खाये जोई।
तन-मन अन्तर्मन शुद्ध होवे।
वर्ष में निर्धन रहे न कोई।

एक संत ने जलेबी का नाता आदिकाल से बताया है-

पार लगावे चैरासी से,
मत ढूके इत और।

जलेबी का नियम से प्रातःकाल सेवन करें, तो बार-बार क जन्म-मरण से मुक्ति मिलती है। जलेबी के अलावा अन्य मिठाई की कभी देखें भी नहीं।

जलेबी बनाने हेतु आवश्यक सामग्री-

मैदा 900 ग्राम, उड़द दाल 50 ग्राम पानी में गला कर पीस कर 500 ग्राम मैदा में 50 ग्राम दही मिलाकर दो दिन पूर्व खमीर हेतु घोल कर रखे शेष मैदा जलेबी बनाते समय खमीर में मिलाये शक्कर करीब 1 किलो 300-400 ML पानी में डालकर चाशनी बनाये।

जलेबी को बहुत स्वादिष्ट बनाने के लिए चाशनी में एक चम्मच नीबू का रस और केशर मिला सकते हैं।

जलेबी के खाने से लाभ
एषा कुण्डलिनी नाम्ना
पुष्टिकान्तिबलप्रदा।
धातुवृद्धिकरीवृष्या रुच्या
चेन्द्रीयतर्पणी।।
(आयुर्वेदिक ग्रन्थ भावप्रकाश पृष्ठ 740)

अर्थात-जलेबी कुण्डलिनी जागरण करने वाली, पुष्टि, कान्ति तथा बल को देने वाली, धातुवर्धक, वीर्यवर्धक, रुचिकारक एवं इन्द्रिय सुख और रसेन्द्रीय को तृप्त करने वाली होती है।

जलेबी का अविष्कार

दुनिया में सर्वप्रथम जलेबी का अविष्कार किसने किया यह तो ज्ञात नहीं हो सका। लेकिन उत्तरभारत का यह सबसे लोकप्रिय व्यंजन है। भारत की जलेबी अब अंतरराष्ट्रीय मिठाई है। प्राचीन समय के सुप्रसिद्ध हलवाई शिवदयाल विश्वनाथ हलवाई के अनुसार जलेबी मुख्यतः अरबी शब्द है।

तुर्की मोहम्मद बिन हसन किताब-अल-तबिक एक अरबी किताब जलेबी का असली पुराना नाम जलाबिया लिखा है। 300 वर्ष पुरानी पुस्तकें भोजनकटुहला एवं संस्कृतमें लिखी गुण्यगुणबोधिनी में भी जलेबी बनाने की विधि का वर्णन है। घुमंतू लेखक श्री शरतचंद पेंढारकर ने जलेबी का आदिकालीन भारतीय नाम कुण्डलिका बताया है। वे बंजारे बहुरूपिये शब्द और रघुनाथकृत भोज कौतूहल नामक ग्रन्थ का भी हवाला देते हैं। इन ग्रंथों में जलेबी बनाने की विधि का भी उल्लेख है। मिष्ठान भारत की जान जैसी पुस्तकों में जलेबी रस से परिपूर्ण होने के कारण इसे जल-वल्लिका नाम मिला है। जैन धर्म का ग्रन्थ कर्णपकथा में भगवान महावीर को जलेबी नैवेद्यल लगाने वाली मिठाई माना जाता है।

संकलन-श्रीमती भारती तिवारी, उज्जैन1

स्वताधिकारी/प्रकाशक मनमोहन शर्मा के लिये साप्ताहिक उज्जैन टाइम्स 110, तिरुपति एवेन्यू, होटल नक्षत्र के पीछे, पंचक्रोशी मार्ग, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं ज्योति ट्रेडर्स एवं प्रिन्टर्स न्यू रोड़, उज्जैन से मुद्रित।
● प्रधान सम्पादक : मनमोहन शर्मा मोबा. 9827233734 manmohan680@gmail.com (सभी वाद-विवादों का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)। (म.प्र. शासन से 01-04-1997 से समाचार पत्र विज्ञापनों हेतु अनुमोदित)